पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल की अध्यक्षता में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ का 16वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों में स्नातक हेतु 370, स्नातकोत्तर में 89 एवं पी–एच0डी0 में 60 छात्र–छात्राओं को मिली उपाधियाँ

विशेष योग्यता वाले छात्र–छात्राओं को 18 पदकों से पुरस्कृत किया गया

अमृत काल में जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा कृषि उत्पादकता को बढाने के बारे में सोचें छात्र

–राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 21 फरवरी, 2024

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ का 16वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ। राज्यपाल जी ने मटकी में जलधारा अर्पित कर जल संचयन के संदेश के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को आगामी जीवन में सफलता प्राप्त करने हेतु उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल जी ने विशेष योग्यता वाले 18 विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक दिये। 18 पदको में से 12 पदक बेटियों और छह पदक बेटों ने अपने नाम कर अपने कौशल का परिचय दिया।

दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों में स्नातक हेतु 370, स्नातकोत्तर में 89 एवं पी–एच0डी0 में 60 छात्र–छात्राओं को उपाधियाँ प्रदान की गयी। शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए कृषि महाविद्यालय, जैव प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, उद्यान महाविद्यालय, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं पशु चिकित्सा

महाविद्यालय के 18 छात्र–छात्राओं को कुलपति स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदकों से सम्मानित किया गया। कृषि महाविद्यालय के तीनों उत्कृष्टता पदक छात्राओं को दिये गए। विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर पर ऐकेडमिक एवं को–करिकुलर गतिविधयों में संयुक्त रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के एक छात्र सूरज धनकड़ को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि बेटियों ने इस बार भी पदक में आगे रही। उन्होंने छात्र–छात्राओं से कहा कि वो अपने जीवन में सही सोच को पकड़कर, सही रास्ते में चले क्यों कि गलत सोच आपको भटका सकती है। इसलिये सही सोच और संकल्प के साथ आगे बढने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश में अमृतकाल चल रहा, जिसमें कृषि उत्पादकता को कैसे बढ़ाया जाये इस पर विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए बताया कि वहाँ पर लोगों को पानी की समस्या से गुजरना पड़ता था। उन्होंने कहा कि एक–एक बूंद पानी को बचाने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा सभी को अच्छी सोच विकसित करनी है, जिससे देश का समग्र विकास हो सके। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर होता है। इसलिये समय पर वैक्सीन लगवा लेनी चाहिए। वैक्सीन के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता लायी जाये, जिससे समय से महिलाएं वैक्सीन को लगवा सकें। उन्होंने मिलेट का उत्पादन बढाने तथा उसके उत्पाद को अधिक से अधिक बनाकर लोगों तक पहुँचाने को कहा। उन्होंने कहा कि अच्छे शोध कार्यों एवं उपलब्धियों को घर–घर तक पहुँचाना चाहिए। इसके लिये समाज के लोगों तथा विभिन्न विभागों को आगे आना चाहियें। उन्होंने छात्र–छात्राओं से कहा कि अपने जीवन में बच्चों का मार्ग दर्शन करना चाहिये तथा गरीब व जरूरत मंदो की सहायता करनी चाहिए, जिससे वो आगे बढ सकें।

इसी क्रम में राज्यपाल जी ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि यह कृषि विश्वविद्यालय पश्चिमी उतर प्रदेश के क्षेत्रों में सकारात्मक ऊर्जा के साथ सतत्

प्रगति कर रहा है। हमें खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर इस प्रकार के शोध करने चाहिए जो कि समय व मांग के अनुसार हों एवं उनको अपनाकर किसानों की आय में भी बढोत्तरी हो सके। आज के युग में नई मशीनें जैसे ड्रोन आदि से संबंधित तकनीकों को कृषकों तक पहुँचाना होगा। उन्होंने महिला सशक्तिकरण हेतु महिला अध्ययन केन्द्रों को स्थापित करके बालिकाओं एवं महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वावलम्बन की ओर प्रेरित करने पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व शोध छात्रों से कहा कि वे भविष्य की चुनौतियों के दृष्टिगत ही अपनी भाोध योजना बनायें। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय में एक एग्री इन्क्यूवेशन सेंटर की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जैव नियंत्रक उत्पादन के क्षेत्र में स्टार्टअप की परिकल्पना लेकर आगे आ रहे विद्यार्थी अपने प्रयास में सफल होंगे व उनके स्टार्टअप का लाभ कृषकों को प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि कृषि के सभी क्षेत्रों में उद्यमिता विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में शामिल सभी छात्र–छात्राओं को समाज एवं दे ा की सच्ची सेवा करने और भविष्य में सतत् उन्नति का आर्शीवाद दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में आई0आई0टी0 खडगपुर के निदेशक प्रो0 वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने उपाधि पाने वाले छात्रों को बधाई प्रेषित करते हुए भारत के लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के चरित्र का अनुसरण करते हुए कृषि शिक्षा में उत्कृष्ट शोध कर भारतीय किसानों को सशक्त करने के लिए वचनबद्ध किया। उन्होंने उन्नत कृषि तकनीकी जैसे प्रसीजन फार्मिंग, स्मार्ट मशीन, सस्टेनेबल कृषि, सूक्ष्म सिंचाई व्यवस्था से किसानों को परिचित कराने पर जोर देते हुए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व शोध छात्रों को इस परिवर्तनकारी युग में मौसम के अनुसार फसल सम्बंधित सलाह को किसानों तक पहुँचाने की विधियो को विकसित करने पर ध्यान आकर्षित किया।

कुलपति प्रो0 के0के0 सिंह ने दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा भविष्य में चलाये जाने वाले कार्यक्रमों, परियोजनाओं एवं शिक्षा, शोध एवं प्रसार के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर पर्डू विश्वविद्यालय, इन्डियाना, यू0एस0ए0 एवं सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 विश्वविद्यालय, मेरठ के बीच शिक्षा, शोध एवं प्रसार के कार्यक्रमों को अन्तर्राष्ट्रीय रूप दिये जाने के लिये एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किये गए।

समारोह में राज्यपाल जी ने प्राथमिक विद्यालय से आए 13 तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय से आए 12 बच्चों को पठन–पाठन एवं पौष्टिक सामग्री के बैग प्रदान किए।

इस अवसर पर समारोह में स्थानीय अतिथिगण, जनप्रतिनिधि, कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्यगण, अधिकारी एवं शिक्षकगण तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं एवं उनके अभिभावक भी उपस्थित थे।

———

संपर्क :
डा0 सीमा गुप्ता,
सहायक निदेशक, राजभवन
मोबाइल : 8318116361

16 वां दीक्षांत समारोह
Wednesday, 21st February 2024
बुधवार, 21 फरवरी, 2024

16 वां दीक्षांत समारोह

16 वां दीक्षांत समारोह
SARDAR VALLABHBHAI PATEL UNIVERSITY OF
16TH CONVOCATION

16TH CONVOCATION

16 वां दीक्षांत समा
बुधवार, 21

16TH CONVOCATION
16 वां दीक्षांत समारोह

16TH CONVOCATION
16 वां दीक्षांत समारोह